



जवाँ मर्द का आण्ड-रस-3

“जिम में सुबह के समय एक लड़की आती थी. जिस लड़के को पटाने के सपने मैं देख रहा था वो दरअसल उस लड़की की चूत चोदने की फिराक में था. मुझे जलन हो रही थी. ...”

Story By: हिमांशु बजाज (himanshubajaj)

Posted: Wednesday, November 20th, 2019

Categories: [गे सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [जवाँ मर्द का आण्ड-रस-3](#)

जवाँ मर्द का आण्ड-रस-3

❓ यह कहानी सुनें

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि दोस्त के जोर देने पर मैं उसके साथ जिम में जाने के लिए तैयार हो गया. वहां पर भी लड़कों की गांड और लंड ताड़ना मेरी आदत में शुमार था.

ऐसे ही एक दिन मैंने जिम ट्रेनर को लंगोट पहनते हुए देखा तो उसके लंड को देखने की ललक जाग उठी. वो रंग का भले ही सांवला था लेकिन उसकी बाँडी और मसल्स देख कर किसी की भी गांड में चुदने के लिए खुजली उठ सकती थी.

वो लंगोट पहन कर जब अपने शार्ट्स ऊपर कर रहा था तो उसने मुझे देख लिया. मैं भी बेशर्मा की तरह उसके लौड़े की तरफ घूर रहा था. उसको शायद शक हो गया कि मैं लड़कों में इंटरस्टेड हूँ. फिर वो अपनी एक्सरसाइज़ करने में लग गया.

ऐसे ही कई बार मैंने उसको जानबूझकर यह जताने की कोशिश की कि मैं उसका लंड देखना चाह रहा हूँ मगर सब कुछ जानते हुए भी वो मुझे जैसे इग्नोर कर रहा था. कई दिनों तक यही चलता रहा. मैं उसको घूरता रहता लेकिन वो अपनी एक्सरसाइज़ पर ही ध्यान देता था.

फिर मैंने भी उसकी तरफ ध्यान देना छोड़ दिया. हैरानी इस बात की थी कि वो शक्ल सूरत से भी खास नहीं था. फिर भी मुझे इग्नोर कर रहा था. शायद यह उसका पेशा था, इसलिए हो सकता है कि वो सब इन बातों पर ध्यान न देता हो. यही सोचकर मैंने भी उसे जाने दिया.

डेढ़ महीने से ऊपर हो गया था हमें जिम जाते हुए. सुमित एक दिन बोला कि अब शायद हमें प्रोटीन सप्लीमेंट शुरू कर देना चाहिए. मैंने कह दिया कि मेरे पास तो इतने पैसे हैं नहीं, अगर तुझे करना है तो तू कर ले.

वो बोला- ठीक है, आज शाम को पूछ कर आयेंगे.

उस दिन शाम को जिम करने के बाद हम लोग पास वाली शॉप पर गये. वही हैंडसम बैठा हुआ था. सुमित ने उससे प्रोटीन लेने के लिए कहा. उसके बताये अनुसार सुमित ने उसको 3000 रुपये दे दिये.

डिब्बा लेकर सुमित ने पूछा कि लेना कैसे है ?

वो बोला- सुबह शाम केले और दूध का शेक बनाकर उसमें दो चम्मच डाल कर पी लेना.

फिर उसने मुझसे कहा- तुझे भी लेना है क्या भाई ?

एक बार तो मन में आया बोल दूं कि मुझे तो तेरा केला लेने का मन है. मगर सुमित साथ में इसलिए मैं कहते कहते रह गया.

फिर चलती बात पर एक बात मैंने भी पूछ ली- आपका नाम क्या है भैया ?

वो बोला- नवीन.

मैंने कहा- नवीन ... आगे ?

वो बोला- दहिया. क्यूं क्या हुआ ?

मैंने कहा- कुछ नहीं, आप उस दिन कह रहे थे कि आप भी इसी जिम में जाते हो एक्सरसाइज़ करने के लिए. आपको कभी देखा नहीं इतने दिन में.

उसने पूछा- तुम लोग किस टाइम आते हो ?

मैंने कहा- हम तो शाम को आते हैं.

वो बोला- मैं ज्यादातर सुबह में ही जाता हूं.

मैंने कहा- ओह्ह ... हां, तभी तो.

फिर सुमित बोला- चलें अब ?

उसने नवीन से हाथ मिलाया. मेरे लिए भी उसके स्पर्श का अच्छा मौका था. मैंने भी अपना हाथ उसकी तरफ बढ़ा दिया.

उसने मेरे हाथ में हाथ दिया तो लंड और गांड में गुदगुदी सी हो गई. बहुत ही गर्म और मर्दाना स्पर्श था उसके हाथ का. काफी रफ सा हाथ था. उसके हाथ को छोड़ने का मन तो नहीं कर रहा था लेकिन फिर भी छोड़ना पड़ा.

हम दोनों बाहर आ गये और वो फिर से अपने फोन में लग गया.

मैंने सुमित से कहा- कल हम सुबह ही आयेंगे.

वो बोला- क्यूं ?

मैंने कहा- नवीन भी सुबह ही आता है.

सुमित बोला- साले चूस ले उसका.

मैंने कहा- हाय... वो चुसवाए तभी तो !

सुमित ने कहा- इतना क्या पसंद आ गया तेरे को उसमें ?

मैंने कहा- तू नहीं समझेगा. तेरा डिपार्टमेंट नहीं है वो.

सुमित स्ट्रेट था, वो हर वक्त लड़कियों की गांड और चूचियों को ताड़ता रहता था. जिस तरह मेरी नजर सेक्सी लड़कों को ढूँढती रहती थी, वैसे ही वो सेक्सी लड़कियों को पटाने की फिराक में रहता था.

अगले दिन मैं सुबह ही जिम पहुंच गया. दरअसल मैं नवीन को पटाने के चक्कर में था.

मगर वो आया ही नहीं. इसलिए आधे घंटे अंदर ही मैं वापस चला गया.

जब मैं जिम से बाहर निकल रहा था तो मैंने देखा कि एक लड़की जिम में आई. उसे देखते

ही माथा ठनका. समझते देर नहीं लगी कि नवीन सुबह के टाइम क्यों आता होगा. वो शायद इसी लड़की के चक्कर में आता होगा.

उस दिन मैं शाम को भी आया. शाम को केवल लड़के ही आते थे. अगले दिन मैं फिर सुबह पहुंच गया. उस दिन भी वही लड़की जिम में पहले से थी. वो साइक्लिंग कर रही थी. उसने टाइट जिम आउटफिट पहनी हुई थी. उसकी चूचियां ज्यादा बड़ी तो नहीं थी मगर उसकी फिट ड्रेस में अलग से शेप में दिखाई दे रही थीं.

फिर मैं पीछे जाकर थाइज़ की एक्सरसाइज़ करने लगा. मेरा इंटरेस्ट लड़की में तो नहीं था लेकिन जहां तक मेरा अन्दाजा कह रहा था कि नवीन जरूर आयेगा. कुछ देर के बाद नवीन भी आ गया.

उसको देख कर मेरे अंदर उमंग की एक लहर सी दौड़ गई. मैंने सोचा इस पर ट्राई करके देखता हूं, अगर इसके लंड को टच तक भी कर पाया तो बहुत बड़ी उपलब्धि होगी मेरे लिये. पता तो चले कि जो बाहर से इतना सेक्सी है उसका लौड़ा कैसा होगा.

मगर वो आते ही वॉशरूम में घुस गया.

“शिट यार”! मैंने मन ही मन अफसोस किया. मुझे पता था कि वो सपोर्टर पहनने के लिए गया होगा. मेरे लिए अच्छा चान्स था उसके जिस्म को देखने का. मगर साले ने वो भी मौका नहीं दिया.

फिर सोचा शायद लड़की की वजह से बाहर चेंज नहीं कर रहा होगा.

पांच मिनट के बाद वो बाहर आ गया. उसने टीशर्ट और लोअर पहनी हुई थी. मेरी नज़र उसी पर थी. मैंने सोचा कि इससे दोस्ती करके इसके लंड तक पहुंचा जा सकता है. मैं बात शुरू करने के लिए उसकी तरफ बढ़ा ही था कि लेकिन वो उस लड़की के पास चला गया.

लड़की ने उसको देखते ही स्माइल पास की. उसने भी लड़की को हैलो कहा. मेरे सारे सपने वहीं पर चकनाचूर हो गये, मेरी गांड फुक गयी 'ये तो इसकी चूत के चक्कर में पड़ा हुआ है.'

वहां पर रुकने का मन तो नहीं कर रहा था लेकिन फिर भी सोचा कि देखूं तो सही इन दोनों के बीच में क्या खिचड़ी पक रही है.

लड़की साइक्लिंग कर रही थी. नवीन भी उसके पास ही खड़ा होकर बातें करने लगा. मैं थोड़ी दूर था इसलिए कुछ अच्छी तरह से समझ नहीं आ रहा था कि वो दोनों क्या बातें कर रहे हैं. मगर इतना तो साफ था कि लड़की उसको लाइन दे रही थी.

देती भी क्यों न, वो था ही इतना हैंडसम और सेक्सी.

कुछ देर तक साइक्लिंग करने के बाद लड़की फर्श पर डिप्स की तैयारी करने लगी. उसने अपना मैट बिछाया और डिप्स लगाने लगी. नवीन भी पास में ही खड़ा था.

मैं अब साइकिल के पास चला गया. मैं उन दोनों की बातें सुनना चाह रहा था. लड़की डिप्स लगाने लगी.

नवीन की नजर उस लड़की की गांड पर ही थी, ऐसे घूर रहा था जैसे अभी चोद देगा इसको. फिर वो बोला- पोस्चर सही करो मैडम, गलत कर रहे हो.

वो बोली- कैसे करना है ?

उसने कहा- मैं करवा देता हूं.

वो लड़की के पास गया और उसकी कमर के ऊपर से टांग ले जाकर लड़की को अपनी टांगों के बीच में ले लिया. मैं सामने शीशे में सब कुछ देख रहा था. मेरी गांड से धुआ निकल रहा था.

साला, ठरकी है एक नम्बर का. कहां मैं इसका लंड चूसने के सपने देख रहा हूं. मगर ये तो चूत को पटाने के चक्कर में है.

नवीन ने लड़की की कमर को थाम लिया. लड़की ने अपने हाथ ज्यादा चौड़ाई में फैलाये हुए थे. उसने उसके हाथों को थोड़ा अंदर करवा दिया. मगर अब उससे उठा नहीं जा रहा था. वो उसकी कमर को पकड़ कर डिप्स लगवाने में उसकी मदद करने लगा. उसने दोनों तरफ से लड़की के बूक्स के पास से उसको थामा हुआ था.

धीरे-धीरे नवीन के हाथों की उंगलियां उस लड़की की चूचियों के नीचे पहुंच गयी थीं. वो डिप्स लगवाने के बहाने उसकी चूचियां छूने की कोशिश कर रहा था. एक दो बार तो उसने उसकी चूचियों को पकड़ भी लिया. मगर ऐसे नाटक कर रहा था जैसे वो उसको प्रोफेशनल ट्रेनिंग दे रहा हो.

मैंने देखा कि वो लड़की की गांड पर नज़र गड़ाये हुए था. उसके हाथों की उंगलियां ठीक उसकी चूचियों के नीचे थीं. दस डिप्स का एक सेट होने के बाद लड़की उठने लगी. नवीन एक तरफ हो गया. मैंने देखा कि उसका लौड़ा अलग से उसकी लोअर में तन गया था.

दस डिप्स का दूसरा सेट फिर से शुरू हुआ. अब फिर से उसने लड़की की पीठ को दोनों तरफ से हाथों का सपोर्ट दिया. वो डिप्स लगाने लगी और वो उसकी चूचियों को बहाने से छूने लगा. मुझे हैरानी इस बात की थी कि वो कुछ बोल भी नहीं रही थी.

एक बार तो उसने अपने दोनों हाथों से उसकी चूचियों को दबा भी दिया मगर फिर साथ ही सॉरी भी बोल दिया. जब लड़की दूसरा सेट लगा कर खड़ी हुई तो इतने में ही नवीन ने अपनी लोअर में हाथ डाल कर अपने तन चुके लंड को ऊपर की तरफ पेट पर लोअर के नीचे दबा लिया. फिर उस पर टीशर्ट से ढक दिया. मगर उसके पेट पर चिपका हुआ वो डंडा सा फिर भी दिखाई दे रहा था.

लड़की भी चालू सी लग रही थी.

फिर वो डम्बल्स की तरफ चले गये. उसके बाद लड़की ने डम्बल्स उठा लिये और नवीन उसके पीछे खड़ा हो गया. वो पीछे से उसके हाथ को सपोर्ट करने लगा.

वो भी कुतिया सी खी-खी करके उसके साथ मजे ले रही थी. हाथ को सपोर्ट करने के बहाने से वो लड़की की गांड से सट गया था. लड़की के हाथ में डम्बल था और नवीन ने उसके हाथ को नीचे से सपोर्ट किया हुआ था.

उसका लंड लड़की की गांड पर लगा हुआ था. मैं पीछे से देख रहा था कि वो जानबूझ कर उसकी गांड पर लंड लगा रहा था. नवीन के चेहरे पर वासना अलग से दिखाई दे रही थी. अगर उसका बस चलता तो वो वहीं पर नीचे लिटा कर उस लड़की की चूत चुदाई कर देता.

बाइसेप्स और ट्राइसेप्स करने के दौरान उसने लगातार अपना लंड उस लड़की की गांड पर सटाये रखा. फिर वो फोरआर्म पुल-इन की तरफ आ गये. मैं उन दोनों की हरकतें अच्छी तरह से देख रहा था.

लड़की की गांड पर लंड लगाकर नवीन झुक गया और उसको फोरआर्म पुल करवाने लगा. उसने अपनी जांघों को लड़की के चूतड़ों से बिल्कुल चिपकाया हुआ था. जब-जब वो पुलइन कर रही थी नवीन उसकी गांड में लौड़े को पुश कर रहा था.

दूर से देखने पर ऐसे लग रहा था जैसे वो उसकी गांड में लंड को घुसा रहा हो. आधे घंटे तक उनकी ये रासलीला चलती रही. जिम के बाकी लड़के भी उन दोनों की तरफ नीची नजर से देख रहे थे मगर कोई कुछ बोलने की बजाय सब मजे ले रहे थे. शायद उन दोनों का चक्कर काफी पहले से चल रहा होगा. इसलिए सब चुप थे.

फिर वो लड़की जाने की तैयारी करने लगी. लड़की ने काउंटर टेबल से अपना फोन उठाया और पानी की बोतल से पानी पीने लगी. नवीन भी उसके पीछे-पीछे जा पहुंचा. वो अपना सामान लेकर निकल गयी.

मैंने सोचा कि अब नवीन एक्सरसाइज़ करने के लिए आयेगा. मगर वो वहीं पर कोच के साथ बातें करने लगा. दोनों खुसर फुसर करके हंस रहे थे.

मुझे लग रहा था कि दोनों ही इसकी चूत चोदने के चक्कर में हैं. पांच मिनट के बाद नवीन भी जिम से बाहर निकल गया. मेरा दिमाग खराब हो गया. अपनी खुंदक निकालने के लिए मैं कोच के पास गया और बोला- यहां पर लड़कियां भी आती हैं क्या ?

वो बोला- हां, ये एक ही लड़की आती है कभी-कभी.

मैंने कहा- मगर ट्रेनर तो आप हो ना ?

वो बोला- हां, मैं ही हूं.

मैंने कहा- लेकिन उसको ट्रेनिंग तो कोई और दे रहा था ?

अब ट्रेनर चिड़ते हुए बोला- भाई तू अपने काम से काम रख ना. फालतू की बातों में क्यों पड़ रहा है. कई बार मेरा दोस्त भी ट्रेनिंग सेशन ले लेता है. तुझे कोई प्रॉब्लम है क्या ? मैंने कहा- नहीं.

मैं समझ चुका था कि ये दोनों मिल कर इस लड़की की चूत चोदने के चक्कर में हैं. मैं काउंटर के पास ही खड़ा था कि तभी नवीन फिर से अंदर दाखिल हुआ.

मैंने सोचा- वो मुझसे बात करने की पहल करेगा. मगर उसने मेरी तरफ देखा भी नहीं. वो सीधा ट्रेडमिल पर गया और जॉगिंग करने लगा.

मेरा मूड पहले से ही खराब था. ऊपर से नवीन ने मुझे इग्नोर मार दिया. गुस्से में मैं झुंझलाता हुआ मैं उलट-पलट एक्सरसाइज़ करने लगा. मगर दोनों में से किसी ने मुझ पर ध्यान ही नहीं दिया. मैंने सोचा कि बेकार में यहां पर अपना खून फूक रहा हूं. मैं अब यहां पर आऊंगा ही नहीं.

मैं अपना फोन उठाने के लिए काउंटर के पास आया तो नवीन भी वहीं था. उसने कहा- और कैसा है भाई ?

मैंने भी उसको नकली सी स्माइल दे दी.

मेरा मन उसकी तरफ से खट्टा हो गया था.

जब मैं जाने लगा तो मेरे कानों में उन दोनों की बातें पड़ गईं. मैं वहीं पर रुक कर उनकी बातें सुनने लगा.

कोच बोला- तेरा काम तो बनने वाला है.

नवीन ने कहा- नहीं यार, टाइम पास कर रही है वो.

कोच बोला- अरे वो चुदकर रहेगी, लिखवा ले.

नवीन बोला- साली की गांड तो गजब है. अगर ये शाम में आ जाये तो इसको पकड़ कर चोद दूं किसी दिन.

उसके मुंह से इस तरह की कामुक बातें सुनकर मैं भी ठिठक सा गया.

सोचने लगा कि ये तो पूरा ठरकी है. मगर साला लड़की की चूत के पीछे पागल रहा है.

फिर कोच बोला- अच्छा शाम को मैं बालाजी के लिए निकल रहा हूं. तू देख लेगा ना ?

नवीन बोला- हां टेंशन मत ले. मैं संभाल लूंगा.

फिर नवीन चला गया. उसके जाने के बाद मैंने कोच से बातों ही बातों में पूछा- जब आप नहीं रहते तो उस दिन जिम बंद रहता है क्या ?

वो बोला- नहीं, अगर मैं नहीं रहूंगा तो मेरा दोस्त रहेगा. मगर जिम कभी बंद नहीं होता.

बस मुझे यही कन्फर्म करना था. फिर मैं चला गया. मैंने सोचा कि शाम को कोच अगर नहीं आया तो नवीन आयेगा. हो सकता है कि आज मुझे नवीन के करीब जाने का मौका मिले.

वैसे भी वो ठरकी तो है ही. उसको पटाना इतना मुश्किल नहीं होगा.

मगर सुमित की भी दिक्कत थी. अगर वो रहेगा तो नवीन और मेरे बीच में कुछ नहीं हो सकता था. सुमित को भले ही मेरे बारे में पता था लेकिन नवीन उसके सामने अपने असली रूप में शायद नहीं आयेगा.

अभी तक मैंने सुमित को भी इस बारे में नहीं बताया था कि मैं सुबह के टाइम भी जा रहा हूँ.

मैंने सुमित को दिन में फोन करके कह दिया- आज मैं शाम को जिम नहीं जाऊंगा.

वो बोला- क्यों ?

मैंने कहा- मेरी तबियत ठीक नहीं है.

वो बोला- क्यों, गांड मार ली क्या किसी ने ?

मैंने कहा- बकवास मत कर यार, पेट खराब है.

वो बोला- ठीक है. अगर तू नहीं जा रहा तो मैं भी नहीं जाऊंगा.

बस मेरा काम हो गया था. अब रास्ता साफ था. अब मैंने सोच लिया था कि अगर आज शाम को कोच नहीं आया और उसकी जगह नवीन काउंटर पर मिला तो उसका काम-तमाम कर देना है.

कहानी अगले भाग में जारी रहेगी.

himbajanshu@gmail.com

Other stories you may be interested in

कॉल ब्वॉय के साथ बितायी पूरी रात

हैलो फ्रेंड्स ... मैं अंजलि शर्मा फिर से अपनी आगे की कहानी लेकर आप सभी के सामने वापिस आयी हूँ. सबसे पहले तो मैं आप सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहूंगी कि आप लोगों ने मुझे इतना प्यार दिया, मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

जवाँ मर्द का आण्ड-रस-2

कहानी के पहले भाग में मैं और मेरा दोस्त जिम ज्वाइन करने के लिए बात करके आ गये. सुमित बोला- तू भी आ रहा है ना? मैंने कहा- साले चूतिया है क्या. मैं नहीं आ रहा. मैं क्यों आऊंगा. वो [...]

[Full Story >>>](#)

जवाँ मर्द का आण्ड-रस-1

जिन्दगी की किताब के पन्ने भी बड़ी पक्की स्याही से लिखे जाते हैं. एक बार वक्त ने जो छाप दिया उसको सालों साल संजोकर रखते हैं. एक दिन अपनी तन्हाई को अपने साथ बैठाकर मैं उसे अपनी गुज़री जिन्दगी की [...]

[Full Story >>>](#)

ऑफिस गर्ल की दोबारा चूत चुदाई-1

मेरी सेक्स कहानी ऑफिस गर्ल से रोमांस फिर चूत चुदाई में अभी तक आपने पढ़ा कि कैसे मैंने अपने ऑफिस में मेरे साथ ही काम करने वाली खूबसूरत लड़की को पटाया, फिर उसको चुदाई के लिए तैयार किया. धीरे-धीरे हम [...]

[Full Story >>>](#)

बुआ ने दिलाया जिगोलो का काम

नमस्कार दोस्तो, मैं किंग एक बार फिर से आपके सामने हाज़िर हूँ अपने जीवन की नई प्रस्तुति लेकर। पर सबसे पहले मैं अपने सभी चाहने वालों का तहेदिल से धन्यवाद करना चाहता हूँ कि अपने मुझे इतना प्यार और स्नेह [...]

[Full Story >>>](#)

